2025–26

कक्षा–12

विषय–सामान्य हिन्दी

समय–तीन घण्टे 15 मिनट पूर्णांक–100

नोट–(i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित है।

(ii)इस प्रश्नपत्र में दो खण्ड है, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है।

(खण्ड–क)

प्रश्न–1(क)निम्नलिखित में से भारतेन्दु युग–पूर्व का लेखक नहीं है– 5×1=5

(i) लक्ष्मण सिंह

(ii) शिवप्रसाद 'सितारे हिन्द'

(iii) इंशाअल्ला खॉ

(iv) श्रीधर पाठक

(ख) हिन्दी का पहला मौलिक उपन्यास कौन–सा है–

(i) आनन्दमठ (ii) परीक्षा–गुरू

(iii) गबन (iv) तितली

(ग) जयशंकर प्रसाद के समकालीन नाटककार हैं–

(i) बालकृष्ण भट्ट (ii) मोहन राकेश

(iii) गोविन्द वल्लभ पन्त (iv) विष्णु प्रभाकर

(घ) अलोचना के क्षेत्र में सर्वाधिक उल्लेखनीय हैं–

(i) मिश्रबन्धु (ii) गुलाबराय

(iii) रामचन्द्र शुक्ल (iv) प्रेमचन्द

(ड़)बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' ने सम्पादन किया हैं–

(i)हिन्दी प्रदीप (ii) प्रथा

(iii) आनन्द कादंबिनी (iv) सरस्वती

प्रश्न–2(क) प्रयोगवाद की विशेषता है– 5×1=5

(i) प्रकृति वर्णन (ii) नवीनता के प्रति आग्रह

(iii) अतिशय भावुकता (iv) विद्रोह व क्रान्ति

(ख) किस युग को 'जागरण सुधार काल' कहा जाता है?

Visit CollegeDekho

(i) भारतेन्दु युग (ii) द्विवेदी युग

(iii) छायावाद (iv) प्रगतिवाद

(ग) निम्न में से कौन प्रयोगवादी कवि नही हैं?

(i)नागार्जुन (ii) त्रिलोचन

(iii) केदारनाथ अग्रवाल (iv) नेमिचंद जैन

(घ) मैथिलीशरण गुप्त किस युग के कवि हैं?

(i) भारतेन्दु युग (ii) द्विवेदी युग

(iii) छायावाद (iv) प्रगतिवाद

(ङ) 'महाप्राण' के नाम से कौन सा कवि विख्यात हैं?

(i) महादेवी वर्मा (ii) प्रतापनारायण मिश्र

(iii) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (iv) सोहनलाल द्विवेदी

प्रश्न–3 दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए– 5×2=10

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल, मुसकानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा–निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की! भाषा के भेद रहे हैं, रहेगें भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) गद्यांश का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) कौन सी ज्योति विश्व की सर्वोत्तम ज्योति है?

(v) लेखक ने किसके मुस्कानमय जीवन का चित्रण किया है?

अथवा

अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था। सुंदरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था, कोमल कपोलों पर कर्णावतंस के रूप में झूलता था और चंचल नील अलकों की अचंचल शोभा को सौ गुना बढ़ा देता था। वह महादेव

Visit CollegeDekho

के मन में क्षोभ पैदा करता था, मर्यादा पुरूषोतम के चित्त में सीता का भ्रम पैदा करता था और मनोजन्मा देवता के एक इशारे पर कंधे पर से ही फूट उठता था।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) संस्कृत के किस कवि ने अशोक को सम्मानित किया है?

(iv) अशोक पर फूल आने के सम्बन्ध में लेखक के क्या विचार है।

(v) 'आसिंजनककारी' तथा 'कर्णावतंस' का अर्थ लिखिए।

प्रश्न–4 दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

5×2=10

तुम मांसहीन, तुम रक्तहीन

हे अस्थि–शेष! तुम अस्थि–हीन,

तुम शुद्ध–बुद्ध आत्मा केवल,

हे चिर पुराण, हे चिर नवीन!

तुम पूर्ण इकाई जीवन की,

जिसमें असार भव–शून्य लीन,

आधार अमर, होगी जिस पर

भावी की संस्कृति समासीन।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रस्तुत पद्यांश के माध्यम से कवि क्या कहना चाहताहै?

(iv) कौन हड्डियों के ढाँचा मात्र प्रतीत होते है।

(v) गॉधी जी के आदर्शों पर भविष्य में किसे खड़ा होना पड़ेगा?

अथवा

Visit CollegeDekho

सावधान, मनुष्य! यदि विज्ञान है तलवार,

तो इसे दे फेंक, तजकर मोह, स्मृति के पार।

हो चुका है सिद्ध, है तू शिशु अभी नादान।

फूल–कॉटों की तुझे कुछ भी नही पहचान।

खेल सकता तू नहीं ले हाथ में तलवार।

काट लेगा अंग, तीखी है बड़ी यह धार।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कवि ने वैज्ञानिक युग के मानव को क्या चेतावनी दी है?

(iv) कवि ने तलवार किसे बताया है?

(v) प्रस्तुत पद्यांश में प्रयुक्त रस एवं अलंकार का नाम लिखिए।

प्रश्न–5 (क) निम्नलिखित में किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5

(i) हरिशंकर परसाई

(ii) प्रो0 जी0 सुन्दर रेड्डी

(iii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 3+2=5

(i) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

(ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) अज्ञेय

प्रश्न–6 'पंचलाइट' कहानी की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

(शब्द सीमा अधिकतम–80) 5 अंक

Visit CollegeDekho

अथवा

'लाटी' अथवा 'बहादुर' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रशन–7 स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए– (शब्द सीमा अधिकतम–80) 5 अंक

(i)'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के आधार पर दशरथ का चरित्र–चत्रिण कीजिए।

अथवा

'श्रवण कुमार' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(ii)'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर द्रौपदी का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(iii)'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'कर्ण' का चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु लिखिए।

(iv)'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए।

(v)'अलोकवृत्त' खण्डकाव्य का नायक कौन है?उसका चरित्र–चित्रण कीजिए।

अथवा

'अलोकवृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

(vi)'त्यागपथी' खण्डकाव्य का कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षबर्द्धन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

Visit CollegeDekho

खण्ड–ख

प्रश्न–8(क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए– 2+5=7

संस्कृतस्य साहित्य सरसं व्याकरणच्च सुनिश्चितम्। तस्य गद्ये पद्ये च लालित्यं, भावबोधसामर्थ्यम्, अद्वितीयं श्रुतिमाधुर्यच्च वर्तते। किं बहुना चरित्रनिर्माणार्थं यादृशीं सत्प्रेरणां संस्कृतवाङ्.मयं ददाति न तादृशीं किञ्चिदन्यत्। मूलभूतानां मानवीयगुणानां यादृशी विवेचना संस्कृतसाहित्ये वर्तते, नान्यत्र तादृशी। दया, दानं, शौचम्, औदार्यम्, अनसूया, क्षमा, अन्ये चानेके गुणाः अस्य साहित्यस्य अनुशीलनेन सज्जायन्ते।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्री सहयोगकारणानि, विश्व–बन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति। राष्ट्रनायकस्य श्री जवाहरलालनेहरूमहोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन सह भारतस्य मैत्री पच्चशीलसिद्धान्तानधिकृत्य एवाभवत्। यतो हि उभावपि देशौ बौद्धधर्मे निष्ठावन्तौ।

(ख)निम्नलिखित श्लोक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+5=7

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।

खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

अथवा

न चौरहार्य न च राजहार्य न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि।

व्यये कृते वद्धते एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम्।।

प्रश्न–9 निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए। 1+1=2

(i)सूर्य को दीपक दिखाना ।

(ii)हवाई किले बनाना।

(iii)अपना उल्लू सीधा करना।

(iv)अगर–मगर करना।

Visit CollegeDekho

प्रश्न–10 अपठित गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

आज से कई वर्ष पहले गुरूदेव के मन में आया कि शान्तिनिकेतन को छोड़कर कहीं अन्यत्र जाएँ।स्वास्थ्य बहुत अच्छा नहीं था। शायद इसलिए, या पता नहीं क्यों, वे श्रीनिकेतन के पुराने तिमंजिले मकान में रहें। शायद मौज में आकर यह निर्णय लिया हो। वे सबसे ऊपर के तल्ले में रहने लगे। उन दिनों ऊपर तक पहुँचने के लिए लोहे की चक्करदार सीढ़ियाँ थी, और वृद्ध रवीन्द्रनाथ के लिए उस पर चढ़ सकना असम्भव था। फिर भी बड़ी कठिनाई से उन्हें वहाँ ले जाया जा सका।

(i)'गुरूदेव' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? 1

(ii)गुरूदेव ने शान्तिनिकेतन छोड़कर कहीं और रहने का मन क्यों बनाया? 2

(iii)उनके समीप तक पहुँचने में क्या कठिनाइयाँ थी? 2

अथवा

हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का हास तो हो रहा है, हम लक्ष्य–भ्रम से भी पीड़ित है। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे है, हम झूठी तुष्टि के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे है। मर्यादाएं टूट रही हैं। नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे है। व्यक्ति केन्द्रिकता बढ़ रही है। स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षायें आसमान को छू रही है। उपभोक्ता संस्कृति हमारी सामाजिक नींव को हिला रही है।

(i)उपर्युक्त गद्यांश का शीर्षक लिखिए।

(ii)उपभोक्ता संस्कृति का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(iii)हमारे लक्ष्य भ्रम से पीड़ित क्यों है ?

प्रश्न–11 (क) निम्नलिखित शब्द–युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए।

(I) अविराम–अभिराम 1

(i) लगातार– सुन्दर (ii) किया हुआ–पूर्ण

(iii) सहारा–कोमल (iv) कुरूप–लगातार

(II) भवन–भुवन 1

(i) घर–संसार (ii) गृह–आकाश

Visit CollegeDekho

(iii) सदन–हिस्सा (iv) संसार–जंगल

ख निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए– 1+1=2

(i) वायु (ii) मित्र

(iii) राजा (iv) लक्ष्य

ग निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक 'शब्द' का चयन करके लिखिए– 1+1=2

(I) कम बोलने वाला

(i) कंजूस (ii) अकिंचन

(iii) मितभाषी (iv) मुमुक्षु

(II) जो कीचड़ से उत्पन्न होता है–

(i) गुलाब (ii) फूल

(iii) पंकज (iv) सुमन

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए– 1+1=2

(i) आज मेरा बड़ा भाई आ गया।

(ii) अध्यापक ने हमसे निबन्ध लिखाया।

(iii) तुम मेरे को पुस्तक दे दो।

(iv) हम पहाड़ में सैर करने गये थे।

प्रश्न–12 (क) 'करूण रस' अथवा 'शान्त रस' का स्थायी भाव के साथ उदाहरण अथवा परिभाषा लिखिए। 1+1=2

(ख) 'उपमा' अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण अथवा उदाहरण लिखिए। 2

(ग) 'चौपाई' अथवा 'दोहा' छन्द का मात्रा सहित लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। 1+1=2

प्रश्न–13 उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को एक पत्र लिखिए, जिसमें टिकट–निरीक्षक के अभद्र व्यवहार की शिकायत की गई हो। (शब्द सीमा अधिकतम–250) 2+4=6

Visit CollegeDekho

अथवा

अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गये उपहार के लिए धन्यवाद–पत्र लिखिए।

प्रश्न–13 निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा–शैली में निबन्ध लिखिए। 2+7=9

(i) आतंकवाद की समस्या–कारण और निवारण

(ii) प्रजातंत्र में विपक्ष की भूमिका

(iii) देश में बेरोजगारी की समस्या

(iv) साहित्य समाज का पथ–प्रदर्शक है

(v) पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता

Visit CollegeDekho